(ख) क्या यह भी सच है कि इससे कलाकारों और प्रतिभावान व्यक्तियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि होगी ;

(ग) वर्तमान में दूरदर्शन द्वारा स्वयं तैयार किए जाने वाले कार्यक्रमों का प्रतिशत कितना है ; और

(घ) वर्तमान में दूरदर्शन के विभिन्न संवर्गों में रिक्त पदों की कुल संख्या कितनी है और उन्हें किन-किन स्रोतों से भरा जाएगा ?

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री पी० उपेन्द्र) : (क) और (ख) जी, हां। दूरदर्शन प्रतिदिन लगभग ग्यारह घंटे के कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है। तथापि, साधनों और जन शक्ति की तंगी को देखते हुए फिलहाल प्रसारण समय को बढ़ाकर के 18 घंटे प्रतिदिन करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग) केन्द्रों में निर्मित कार्यक्रमों का प्रतिशत प्रत्येक केन्द्र के लिए भिन्न-भिन्न है। तथापि, दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली में, जो दूरदर्शन का प्रमुख कार्यक्रम निर्माण केन्द्र है; लगभग 68 प्रतिशत कार्यक्रम वहां पर ही तैयार किए जाते हैं।

(घ) इस समय दूरदर्शन में विभिन्न संवर्गों के लगभग 1910 पद रिक्त हैं। ये रिक्त पद सम्बद्ध भर्ती नियमों में निर्धारित अर्हताओं और पात्रता के अन्य मापदंडों के अनुसार भरे जाने हैं।

आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिये निर्धारित किए गये मानदण्डों के अनुरूप दूरदर्शन का कार्यकरण

100. **श्री कपिल वर्मा :**

श्रीमती वीणा वर्मा :

श्रीमती कैलाशपति :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दूरदर्शन पिछले चार पांच महीनों के दौरान वर्तमान सरकार द्वारा आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए निर्धारित किए गए मानदण्ड के अनुरूप कार्य कर कर पाया है, यदि हां, तो वे मानदंड क्या-क्या हैं ; और

(ख) क्या दूरदर्शन अपने तंत्र का संचालन गैर-पेशेवर आधार पर करने का विचार कर रहा है ; यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री पी० उपेन्द्र) : (क) और (ख) सरकार की यह घोषित नीति है कि सरकार के संचार माध्यम, विशेषतया दोनों इलैक्ट्रानिक माध्यम किसी प्रकार के हस्तक्षेप के बिना वस्तुपरक, निष्पक्ष और व्यावसायिक ढंग से काम करें ताकि वे उन सामाजिक उद्देश्यों को पूरी तरह से प्राप्त कर सकें जिनके लिए वे स्थापित किए गए हैं। सरकार को इस बात का गर्व है कि इन सिद्धांतों का कड़ाई के साथ पालन करने से गत कुछ महीनों के दौरान आकाशवाणी और दूरदर्शन की कार्य निष्पादन और विश्वसनीयता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। दूरदर्शन, पिछले पांच महीनों से व्यावसायिक तरीके से कार्य कर रहा है। सरकार ने संसद में प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) विधेयक, 1989 भी प्रस्तुत किया है। जिसमें आकाशवाणी और दूरदर्शन दोनों को एक पूर्ण स्वायत्त स्तर प्रदान करने का प्रावधान है ताकि वे बराबर व्यावसायिक तरीके से कार्य करते रहें।

Advisory Board for Doordarshan and All India Radio

101. SHRI KAPIL VERMA:

SHRIMATI VEENA VERMA:

SHRIMATI KAILASHPATI:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have finalised the Advisory Board for Doordarshan and All India Radio;

(b) if so, the names of the members alongwith their qualifications: and

(c) if the answer to part (a) above be in negative, what are the reasons for the delay?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI P. UPENDRA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Government intends to set up an Interim Media Advisory Board consisting of distinguished persons from the media, from the world of Cinema, art and culture, the world of scholarship, agriculture and rural development, to oversee the functioning of All India Radio and Doordarshan. Selection of persons for Advisory Board is in process.

Return of Goans Gold by Portugese Government

102. SHRI KAPIL VERMA:

SHRIMATI VEENA VERMA:

SHRIMATI KAILASHPATI:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Portugese Government have informed the Government of India of its final decision to hand over the Goan Gold to the Indian authorities; if so, what are the modalities being framed for its handing over; and

(b) what are the main provisions being included in the agreement to be signed between the two countries?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I. K. GUJRAL): (a) and (b) The Portugese Government have indicated their readiness to return the gold ornaments removed from Goa. A delegation including representatives from the State Bank of India would be visiting Portugal to discuss the modalities for the return of the ornaments.

Functioning of C-DOT

103. SHRI KAPIL VERMA:

SHRIMATI KAILASHPATI:

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government are satisfied with the results produced by C-DOT in the six years since it was launched. if so, what are the reasons therefor;

(b) whether it is a fact that the C-DOT has over run its target of producing an indigenous telephone exchange in 36 months for Rs. 36 crores roughly; if so, the reasons and whether any inquiry has been made by Government in this connection; and what action has been taken by Government in this regard; and

(c) whether Government have looked into charges of C-DOT funds being siphoned off by certain officials by their family concerns in the United States; if so, what are Government's findings and action taken?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) and (b) An Expert Committee was constituted for the assessment and evaluation of the C-DOT. The Committee has submitted its report which is under examination. The decision of the Government will be presented to the Parliament as soon as the same is finalised.

(c) This matter is also being looked into.

Bomb blasts in Delhi

104. SHRI CHOWDHRY HARI SINGH:

SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether there have been cases of bomb blasts in Delhi during the last